त्रिभुवन विश्वविद्यालय,

मानविकी तथा समाजिक शास्त्र संकाय, हिन्दी केन्द्रिय विभाग

अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्वितीय बर्ष के दसवां पत्र के प्रयोजनार्थ प्रस्तुत शोध-प्रबंध

“भक्तिरस के गायक कवि सूरदास”

निर्देशक

प्रा.डा. आशा सिन्हा

अध्यक्ष हिन्दी विभाग, रा.रा.ब. क्याम्पस, जनकपुरधाम

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डौं

शोधकर्त्री

स्मृति कुमारी कर्ण

त्रि.वि. रजिष्ट्रेशन नं. ३७९८-९४

दितीय बर्ष परीक्षा रोल नं. २८०००७

कक्षा रोल नं. ०९/०६८-०७०

हिन्दी केन्द्रिय विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय,

कीर्तिपुर, काठमाडौं ।

बर्ष २०१५

त्रिभुवन विश्वविद्यालय,

मानविकी तथा समाजिक शास्त्र संकाय,

हिन्दी केन्द्रिय विभाग, कीर्तिपुर, काठमाण्डू

शोध कर्त्री

स्मृति कुमारी कर्ण द्वारा

प्रस्तुत

"भक्तिरस के गायक कवि सूरदास"

शीर्षक शोध-प्रबन्ध

हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर (एम.ए.) तह, दसवा पत्र

के पूरक प्रयोजनार्थ स्वीकृत किया गया है ।

शोध मूल्यांकन समिति

सि.नं.	पद	नाम	हस्ताक्षर
१.	शोध निर्देशक		
२.	वाह्य परीक्षक		
३.	विभागीय प्रमुख		
४.	सदस्य		

मिति .....

शोधनिर्देशक के मन्तव्य

मै प्रमाणित करती हूँ कि श्रीमती स्मृती कर्ण, स्नात्तकोत्तर तह द्वितीय वर्ष, हिन्दी विभाग, त्रिभुवन विश्व विद्यालय, काठमाण्डू ने मेरे निर्देशन में "भक्तिरस के गायक कवि सूरदास" शीर्षक पर शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया है । जहाँ तक मेरी जानकारी है, इस विषय पर किसी अन्य अनुसन्धानकर्त्ता ने शोध- प्रबन्ध प्रस्तुत नहीं किया है । योग्यता एवं शील की दृष्टि से शोधकर्त्री शोध-प्रबन्ध की उपाधि की अभ्यर्थी है ।

.....

प्रा. डा. आशा सिन्हा

निर्देशक

हिन्दी विभागाध्यक्ष

रा.रा.ब. क्याम्पस, जनकपुर धाम ।

कृतज्ञताज्ञापन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह द्वितीय वर्ष की दशवा पत्र शोध-प्रबन्ध हेतु अध्ययानार्थ छात्रों के लिए आवश्यक प्रस्तुत “भक्ति रस के गायक कवि सूरदास” शिर्षक में शोध-प्रबन्ध तयार किया गया है ।

शोध- प्रबन्ध का प्रणयन निश्चय ही एक अनुष्ठान है जिसके हेतु ईश्वर की प्रेरणा, गुरुजनों का आशिर्वाद और अपनी अभिरुचि की आवश्यकता होती है । वाह्य और आभ्यन्तर दोनों प्रकार की अनुभूतियों के समन्वय से जीवन परिपूर्ण होता है । प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध तैयार करने के सिल-सिले में अपना अमूल्य समय देकर आवश्यक निर्देशन, सुझाव एवं सहयोग देने वाली मेरी परम आदरणीया गुरु प्रा.डा. आशा सिन्हा, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष, रा.रा.ब. क्याम्पस, जनकपुर धाम, के प्रति सर्व प्रथम हार्दिक कृतज्ञता अर्पण करती हूँ ।

शोध-प्रस्ताव की विभागीय स्वीकृति प्रदान करके शोध के लिए सुवर्ण अवसर प्रदान करने वाली विभागीय प्रमुख उप-प्राध्यापक डा. श्वेता दीप्ति प्रति आभार प्रकट करती हूँ । शोध-प्रबन्ध तैयार करते समय आवश्यक विभागीय एवं प्रशासनिक जानकारी देकर सहयोग देने वाली लीला कार्की जी के प्रति धन्यवाद प्रकट करती हूँ ।

इसी प्रकार शोध-प्रबन्ध में अनवरत रुप से सहयोग करने वाले जिनके विना यह शोध-प्रबन्ध सम्भव नहीं था, मेरे पति डा. दिलीप लाल कर्ण के प्रति अनन्य प्रेम और मेरे परम पूज्य पिता प्रा.डा. शैलेन्द्र लाभ तथा ससुर श्री हरि शंकर लाल कर्ण के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ साथ ही निरन्तर उत्साह देने वाले भाई ई. संकल्प लाभ, डा. विकल्प लाभ, अधिर लाल कर्ण, मुकेश लाल कर्ण, वहन प्रीति कर्ण, नीति कर्ण एवं तृप्ति कर्ण एवं सवको वहुत-वहुत धन्यवाद ।

अन्त्य में इस शोध-प्रबन्ध के तयार करते समय असीम धैर्यता वरतते हुए अनेकों कष्ट सहकर भी संयमित होकर सहयोग देने वाली मेरी प्यारी बेटी ऋृतिका कर्ण और दुलारे बेटे उत्कर्ष लाल कर्ण, जिनको दैनिक कार्य में मेरा वहुत अभाव महशूश हुआ,उन वच्चों के प्रति हार्दिक स्नेह अभिव्यक्त करना चाहती हूँ ।

पुनश्चः शोध-प्रबन्ध के सिल-सिले में विभिन्न ग्रन्थों एव पुस्तकों को उपलब्ध कराने वाले सभी लायब्रेरिन को धन्यवाद देते हुए प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध मूल्यांकन के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय केन्द्रिय कार्यालय, हिन्दी विभाग, काठमाण्डू समक्ष पेश करती हूँ ।

स्मृति कुमारी कर्ण

हिन्दी केन्द्रिय विभाग

कीर्तिपुर, काठमाण्डू

रो .न. २८०००७

विषय सूची

क्रं.सं.	विवरण	पाना नं.
१.	परिच्छेद-१	
	विषय परिचय	१-१०
२.	परिच्छेद-२	
	भक्तिकाल के कवियों की भाव धारा का विकास	११-२२
३.	परिच्छेद-३	
	सूरदास के व्यक्तित्व का परिचय	२३-४७
४.	परिच्छेद-४	
	गीति काव्य की परिभाषा एवं गीति काव्य के विकास में सूरदास का योगदान	४८-५५
५.	परिच्छेद-५	
	काव्य का महत्वपूर्ण पक्ष	५६-६५
६.	परिच्छेद-६	
	भक्ति रस के गायक कवि सूरदास	६६-७४
७.	परिच्छेद-७	
उपसंहार		७५-८०
सन्दर्भ ग्रन्थों की सूची		८१

१.१ विषय परिचय १

१.२ शोध समस्या ५

१.३ शोध का उद्देश्य ५

१.४ पूर्व कार्य की समिक्षा ५

१.५ शोध का औचित्य ६

१.६ शोध विधि ६

१.७ शोध की रुप रेखा ६

१.१ भक्तिकाल के कवियों की भाव धारा का विकास ११

१.२ भक्ति और श्रृंगारिक कवि के रुप में सूरदास ११